सार-समाचार

निर्जला एकादशी पर राहगीरों को नींबू पानी पिलाया

चूरू (निसं)। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर श्री श्याम एकादशी भक्त मंडल श्री राम मंदिर चूरू की ओर से गुरुवार को राजकीय डीबी अस्पताल के सामने सेवा कार्य आयोजित किया गया। इस दौरान मंडल के सदस्यों ने भीषण गर्मी को देखते हुए राहगीरों, मरीजों के परिजनों व आमजन को शीतल नींबू पानी पिलाकर पुण्य का कार्य किया। मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि निर्जला एकादशी के अवसर पर सेवा व परोपकार की भावना से यह आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सहयोग करते हुए आमजन को नींबू पानी वितरित किया। उपस्थित लोगों ने मंडल की इस जनसेवा पहल की सराहना की। सेवा कार्य के दौरान भक्तों ने धर्म, सेवा और मानव कल्याण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्री श्याम एकादशी भक्त मंडल के पदाधिकारी उपस्थित थे।

शिविर में मिला संपत्ति का कानूनी अधिकार

रतनगढ़ (निसं)। ग्राम पंचायत लधासर में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर 2026 में स्वामित्व योजना के तहत लाभार्थी किशनलाल पुत्र रेवंतराम मेघवाल को उनकी संपत्ति का प्रॉपर्टी पार्सल प्रदान किया गया। प्रॉपर्टी पार्सल मिलने से लाभार्थी को अपनी भूमि एवं आवास का कानूनी अधिकार प्राप्त हुआ, जिससे भविष्य में बैंक ऋण सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इस अवसर पर पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि, उपखंड अधिकारी मिथिलेश कुमार, विधानसभा संयोजक अर्जुन सिंह फ्रांसा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष दीनदयाल पारीक, पंचायत समिति सदस्य हिम्मत सिंह, मंडल अध्यक्ष सुशील इंदोरिया, प्रशासक हरिप्रसाद दायमा, प्रशासक संतोष कंवर, तहसीलदार हरदीप सिंह, एबीडीओ लक्ष्मी नारायण, प्रशासक प्रतिनिधि कृष्ण सिंह, पीईईओ हरफूल सिंह, ग्राम विकास अधिकारी जितेंद्र सिंह, वीरेंद्र सिंह कर्णावत तथा युवा कार्यकर्ता अभय सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि ने कहा कि स्वामित्व योजना से सशक्त हो रहे हैं ग्रामीण, स्वामित्व योजना से भूमि संबंधी विवादों में कमी आएगी तथा ग्रामीणों को वित्तीय संस्थानों से ऋण प्राप्त करने में भी सुविधा होगी।लाभार्थी किशनलाल मेघवाल ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि पहले भूमि और मकान के पक्के दस्तावेज नहीं होने से कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब प्रॉपर्टी पार्सल मिलने से उनकी संपत्ति सुरक्षित हो गई है।

स्वयंसेवी शिक्षण संस्था संघ के प्रदीप पुरोहित सर्वसम्मति से अध्यक्ष बने

नोहर, (निसं)। स्वयंसेवी शिक्षण संस्था संघ (एसआरएस शिक्षण संस्था संघ), तहसील नोहर के चुनाव रविवार को स्थानीय एंजल पब्लिक स्कूल में सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया में सर्वसम्मति से प्रदीप पुरोहित को संघ का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। साथ ही नई कार्यकारिणी के गठन का अधिकार भी उन्हें सौंपा गया। आयोजित बैठक में जिला संघ के पदाधिकारी राजेश मिढ़ा, जे.पी. दूधवाल, शिवप्रकाश, रामेश्वर गिला एवं शीशपाल पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया का संचालन करवाते हुए संगठन की मजबूती पर विचार रखे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रदीप पुरोहित ने कहा कि संघ को अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने निजी विद्यालय संचालकों को संगठन से जोड़ने, सभी को साथ लेकर चलने तथा शिक्षा क्षेत्र में रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने की बात कही। निवर्तमान अध्यक्ष महावीर सिंवर ने सभी विद्यालय संचालकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि निजी विद्यालयों की समस्याओं के समाधान के लिए संगठन की एकजुटता आवश्यक है। बैठक में लालचंद शर्मा, सोहन सिंह, प्रताप सिंवर, सलीम चौहान, अश्वनी शर्मा, सुभाष नुइया, हरिओम पुनिया, नानूराम, रामकुमार, महेश अपाला, शमीमुल्ला, डी.आर. जाखड़, मुरलीधर छींपा, बजरंग खटोतीया सहित बड़ी संख्या में विद्यालय संचालक उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह की जयंती मनाई

नोहर, (निसं)। ऑल इंडिया बैकवर्ड क्लासेज फैडरेशन की ओर से मंगलवार को नेहरू नगर स्थित जांगिड़ सुथार धर्मशाला सभागार में देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं सामाजिक न्याय के प्रणेता स्वर्गीय वी.पी. सिंह की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता फैडरेशन के प्रदेशाध्यक्ष कर्नल ओपी सूमरा ने की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने वी.पी. सिंह के जीवन एवं योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने वंचित, पिछड़े और कमजोर वर्गों के अधिकारों को मजबूती देने के लिए ऐतिहासिक कार्य किए। उनके निर्णयों ने सामाजिक न्याय की अवधारणा को नई दिशा दी और समान अवसरों के लिए देश में नई सोच विकसित की। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने वी.पी. सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन जिले के विनोद जांगिड़ ने किया। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद हरदत सैनी, ओमप्रकाश सुथार, एडवोकेट रोहिताश जांगिड, पूर्व उपप्रधान रामकुमार स्वामी, आनन्द सैनी, रामकुमार वर्मा, ताराचंद छिम्पा, जग्गासिंह, शेरसिंह, संतलाल रेगर, राधेश्याम जोईया, हरिराम मीणा, वेदप्रकाश स्वामी, दाताराम जांगिड़, विजय सैन, पवन सुथार, मुकेश स्वामी सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पूर्व विधायक ने जनसमस्याएं सुनी

रतनगढ़ (निसं)। पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि ने गुरुवार को स्थानीय भाजपा कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान क्षेत्र से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में पेयजल, बिजली, सड़क, राजस्व एवं अन्य विभागों से संबंधित विभिन्न समस्याएं सामने आईं, जिनके समाधान के लिए महर्षि ने संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।महर्षि ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता से निस्तारित करने तथा लोगों को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान विधानसभा संयोजक अर्जुन सिंह फ्रांसा,भाजपा युवा नेता प्रवीण शर्मा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष दीनदयाल पारीक, पंचायत समिति सदस्य हिम्मत सिंह, मंडल अध्यक्ष सुशील इंदोरिया, मोहन सिंह बीका, बाबूलाल प्रजापत, सुरेंद्र महर्षि, सीताराम सीताराम शर्मा, कन्हैयालाल शर्मा, बलवीर स्वामी सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। जनसुनवाई में पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए पूर्व विधायक का आभार व्यक्त किया।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

रतनगढ़ (निसं)। ग्राम पंचायत गोगासर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में राज्य सरकार के "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी मिथिलेश कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को देखते हुए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक हो गया है।पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि ने कहा कि पौधारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण देने का संकल्प है।कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ग्रामीणों ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

गौशाला को एक पिकअप चारा भेंट

रतनगढ़ (निसं)। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर देवकिशन स्मृति सेवा समिति द्वारा चूरू रोड स्थित रतनगढ़ पिंजरापोल गौशाला में गौवंश के लिए एक पिकअप हरा चारा भेंट किया गया। गौशाला प्रबंधन के अनुरोध पर किए गए इस सेवा कार्य की स्थानीय लोगों ने सराहना की।गौशाला के प्रबंधक रामदेव पारीक ने समिति सदस्यों का स्वागत करते हुए गौसेवा के इस सराहनीय सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। समिति के विश्वनाथ सोनी ने बताया कि देवकिशन स्मृति सेवा समिति समाज सेवा एवं गौसेवा के कार्यों में निरंतर सक्रिय है तथा भविष्य में भी जरूरतमंदों और गौवंश की सेवा के लिए ऐसे कार्य जारी रखे जाएंगे।

एकादशी पर फल-शरबत बांटे

तारानगर (निसं)। एकादशी के अवसर पर तारानगर के चारण कॉम्प्लेक्स पर समाज सेवी अमरसिंह चारण के सौजन्य से राहगीरों को फल-फ्रूट वितरित किए गए। भीषण गर्मी में ठंडा-मीठा शरबत पिलाकर लोगों को राहत दी गई। सुबह से लगे काउंटर पर फल बांटे गए। अमर सिंह चारण ने स्वयं उपस्थित रहकर फल वितरित किए। उन्होंने कहा 'धर्म के साथ मानव सेवा सबसे बड़ा पुण्य है, समाज के भामाशाह भी आगे आएं' भीषण गर्मी में शरबत-फल पाकर लोगों ने सेवा की सराहना की।

जिसे बेसहारा छोड़ गए अपने, उसे अपनाने को उमड़ रहा स्नेह

■ **बीडीके अस्पताल के पालना गृह में मिली नवजात की हालत में सुधार, गोद लेने के लिए आगे आने लगे कई परिवार**

झुंझुनूं (निसं)। राजकीय बीडीके जिला अस्पताल के पालना गृह में मिली नवजात बच्ची की कहानी अब संवेदनाओं और मानवता का प्रतीक बनती जा रही है। एक ओर जहां जन्म के कुछ ही घंटों बाद उसे अपनो द्वारा पालना गृह में छोड दिया गया, वहीं दूसरी ओर उसे अपनाने और नया जीवन देने की इच्छा रखने वाले लोग अस्पताल पहुंचने लगे हैं। अस्पताल प्रशासन के अनुसार बच्ची के स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है और चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है।

अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. जितेंद्र भाम्बू ने बताया कि नवजात को भर्ती किए जाने के बाद से विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उसकी लगातार मॉनिटरिंग कर रही है। बच्ची को अस्पताल के मदर मिल्क बैंक से दूध उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उसके स्वास्थ्य में सकारात्मक सुधार देखने को मिला है। फिलहाल उसे पीआईसीयू वार्ड में भर्ती रखा गया है और उसकी स्थिति पहले की तुलना में बेहतर है। डॉ. भाम्बू ने बताया कि बच्ची के पालना गृह में मिलने की खबर फैलते ही कई लोग अस्पताल पहुंचकर उसे गोद लेने की इच्छा जता चुके हैं। हालांकि अस्पताल प्रशासन ने सभी इच्छुक लोगों को स्पष्ट किया है कि अस्पताल की भूमिका केवल बच्ची के उपचार और देखभाल तक सीमित है।

बच्ची के संरक्षण, पुनर्वास और दत्तक ग्रहण से संबंधित सभी निर्णय बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) झुंझुनूं द्वारा लिए जाएंगे तथा गोद लेने की संपूर्ण प्रक्रिया केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (कारा) के निर्धारित नियमों और कानूनी प्रावधानों के अनुसार ही पूरी होगी। अस्पताल प्रशासन के अनुसार जब बच्ची को पालना गृह में छोडा गया था, उस समय उसकी हालत गंभीर थी। उसे सांस लेने में परेशानी हो रही थी और उसका वजन मात्र करीब 1.850 किलोग्राम था चिकित्सकीय जांच के आधार पर अनुमान लगाया गया कि उसका जन्म लगभग 24 से 48 घंटे पहले हुआ था। डॉक्टरों का यह भी मानना है कि उसकी डिलीवरी किसी अस्पताल अथवा प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी की निगरानी में कराई गई होगी।

इस बीच नवजात की स्थिति में हो रहे सुधार और उसे अपनाने के लिए सामने आ रही इच्छाओं ने इस घटना को मानवीय संवेदनाओं से जोड़ दिया है। जिस मासूम को जन्म देने वालों ने बेसहारा छोड दिया, उसी के लिए अब कई परिवार अपना आंगन खोलने को तैयार दिखाई दे रहे हैं। फिलहाल चिकित्सकों की प्राथमिकता बच्ची को पूरी तरह स्वस्थ करना है, जबकि उसके भविष्य का फैसला कानूनी प्रक्रिया के तहत किया जाएगा।

निर्जला एकादशी पर राहगीरों को जूस पिलाया

पाटन (निसं)। निर्जला ग्यारस के पावन अवसर पर क्षेत्र में जगह-जगह मीठे पानी एवं गन्ने के जूस की छबील लगाकर राहगीरों और श्रद्धालुओं को शीतल पेय पदार्थ वितरित किए गए। भीषण गर्मी के बीच लोगों ने उत्साहपूर्वक मीठा पानी और गन्ने का जूस ग्रहण कर सेवा कार्य की सराहना की।वहीं महिलाओं ने मंदिरों में पहुंचकर भगवान को मीठे पानी की दोगड़ अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। धार्मिक आस्था और सेवा भाव के इस पर्व पर मंदिरों में श्रद्धालुओं की अच्छी खासी भीड देखने को मिली। बस स्टैंड नीमकाथाना रोड पर व्यापारियों द्वारा गन्ने के जूस का विशेष वितरण किया गया, जहां जूस पीने वालों की लंबी कतारें लगी रहीं। निर्जला ग्यारस पर जल सेवा और शीतल पेय वितरण को परोपकार एवं पुण्य का कार्य माना जाता है। इसी भावना के साथ लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए राहगीरों को ठंडा पानी और गन्ने का जूस पिलाकर सेवा कार्य किया। इस अवसर पर जूस वितरण कार्यक्रम में गोमजी बाबाजी, प्रदीप अग्रवाल, अशोक सैनी, सुबे सैनी, राजेश सैनी, वेद प्रकाश सैनी झामाला, ललित सैन, रिंकू यादव एवं प्रवेश सैनी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने अपनी सेवाएं प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान सेवा भाव, धार्मिक आस्था और सामाजिक समरसता का सुंदर संगम देखने को मिला।

फुटबॉल संघ के पदाधिकारी उपखण्ड अधिकारी से मिले

नोहर, (निसं)। स्थानीय श्री बालकृष्ण बिहानी स्टेडियम में खेल सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा स्टेडियम की व्यवस्थाओं को लेकर जिला फुटबॉल संघ हनुमानगढ़, मुख्यालय नोहर के पदाधिकारियों ने उपखंड अधिकारी राहुल श्रीवास्तव (आईएएस) से शिष्टाचार भेंट कर समस्याओं से अवगत करवाया। जिला फुटबॉल संघ के सचिव एवं फुटबॉल खेल के लिए समर्पित शशिकांत शर्मा, राजस्थान फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान गुलफाम खान, जे.के. वर्मा एवं राकेश नागल ने उपखण्ड अधिकारी को बताया कि फुटबॉल मैदान की ग्रासिंग की सिंचाई के लिए लगी विद्युत मोटर खराब होने से मैदान के रखरखाव में परेशानी आ रही है। उन्होंने मोटर की दुरुस्ती, मैदान में फव्वारा व्यवस्था, बास्केटबॉल ग्राउंड के दुरुस्तीकरण तथा स्टेडियम की देखरेख के लिए गार्ड की व्यवस्था की मांग रखी। उपखंड अधिकारी राहुल श्रीवास्तव ने खेल सुविधाओं के महत्व को देखते हुए समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने स्टेडियम के विकास एवं बेहतर रखरखाव के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही। इस दौरान राकेश नागल ने सार्वजनिक स्थानों पर डिस्पोजल गिलास, प्लेट आदि के उचित निस्तारण के लिए प्रशासनिक व्यवस्था बनाने का सुझाव दिया।

ओबीसी महासम्मेलन आयोजित

चूरू (निसं)। स्थानीय टाउन हॉल में गुरुवार को ओबीसी के मसीहा व पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह की जयंती के अवसर पर ओबीसी महासम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विभिन्न ओबीसी समाजों के प्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद राजकुमार सैनी ने कहा कि ओबीसी वर्ग देशभर में शैक्षिणक, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से जागृत हो रहा है, लेकिन आज भी उनके अधिकारों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने वर्ष 2027 की जनगणना में ओबीसी वर्ग के लिए अलग कॉलम और उप-वर्गीकरण सुनिश्चित करने की मांग करते हुए कहा कि इसके लिए देशभर में आंदोलन चल रहे हैं और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इसमें भागीदारी निभानी चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नेशनल ओबीसी वेलफेयर सोसाइटी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरधारी लाल तंवर ने की। उन्होंने कहा कि मूल ओबीसी जातियों को अपने अधिकारों की प्राप्ति के लिए संगठित होकर संघर्ष करना होगा। सोसाइटी के संरक्षक डॉ. अशोक जांगिड़ ने संस्था के उद्देश्यों और गतिविधियों पर प्रकाश डाला। संरक्षक राधेश्याम स्वामी ने जनगणना 2027 में ओबीसी कॉलम और उप-वर्गीकरण की आवश्यकता पर विस्तृत जानकारी दी। जिलाध्यक्ष रामेश्वर प्रजापति ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सोसाइटी द्वारा संचालित कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस अवसर पर डिंपल मेडतिया, सुनीता कंवर, कामगार समाज के जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद हर्षवाल व दौलतराम पेंसिया ने शिक्षा, राजनीतिक जागरूकता, सामाजिक एकता और आरक्षण वर्गीकरण जैसे विषयों पर विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के अंत में सोसाइटी की उद्देशिका पुस्तिकाओं तथा बीज किटों का वितरण किया गया। सम्मेलन में विभिन्न समाजों के पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में ओबीसी समाज के लोगों ने भाग लेकर सामाजिक व राजनीतिक जागरूकता का संदेश दिया।

प्रत्यर्थी का सम्मन

न्यायालय- पारिवारिक न्यायालय झुंझुनूं (राज.) 927 25.06.2026

याची- उषा बनाम मुकेश कुमार

याचिका संख्या- 531/2024

याचिका बाबत:- अ. धारा-13(1) H. M. Act

प्रेषित मुकेश कुमार पुत्र श्री रतनलाल

जाति. .... निवासी ग्राम बलरिया, तहसील - नवलगढ़, जिला झुन्झुनूं (राज.).

याचि. उषा ने आपके विरूद्ध याचिका बाबत अ धारा-13(1) H. M. Act न्यायालय में प्रस्तुत की है। अतः आप दिनांक 10.07.2026 को प्रातः 10:00 बजे न्यायालय हाजा में उपस्थित होकर याचिका का जबाब प्रस्तुत करें।

आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन और ऐसे सब दस्तावेज जो आपके लिखित कथन का आधार हैं न्यायालय में प्रस्तुत करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपरोक्त बतायी गई तारीख को इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो याचिका की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

आज दिनांक 25/6/2026 को मेरे हस्ताक्षर से न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया है। **आज्ञा से**

मोहर न्यायालय

वरिष्ठ मुंसरिम पारिवारिक न्यायालय

चूरू में शिक्षकों का फूटा आक्रोश, रैली निकालकर प्रदर्शन किया

■ **शिक्षकों ने रैली निकालकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा**

चूरू (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ (एसटीएफआई) के प्रांतीय आव्हान पर गुरुवार को जिला मुख्यालय पर शिक्षकों ने विशाल चेतावनी रैली निकालकर सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर विरोध-प्रदर्शन किया।

इस दौरान जिले के विभिन्न ब्लॉकों से आये सैकडों शिक्षक हाथों में झंडे, बैनर और अपनी मांगों से संबंधित तख्तियां लेकर रैली में नारेबाजी करते नजर आये। रैली से पूर्व शिक्षक भवन में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री विजय पोटलिया ने कहा कि शिक्षकों को टीईटी, पे-प्रोटेक्शन और अन्य मुद्दों पर प्रताडित करने वाली नीतियां अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शिक्षकों की न्यायोचित मांगों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो प्रदेशभर में व्यापक आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब वह दिन दूर नहीं जब शिक्षक अपने आंदोलन में अभिभावक व विद्यार्थियों को भी शामिल कर सरकार की सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था को तहस-नहस करने की नीति का मुंह तोड़ जवाब देगा।

बैठक में प्रांतीय उपाध्यक्ष भंवरलाल कस्वां, प्रदेश संयुक्त मंत्री शुभकरण नैण, प्रदेश संगठन मंत्री रतन सिंह पूनिया, प्रदेश प्रतिनिधि गौरी शंकर सिहाग, रणवीर सहारण, चौथमल चिनिया, महेंद्र सिंह पूनिया, लिखमाराम, निहाल सिंह स्वामी, लूणाराम खारडिया ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यकारी जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सीगड व जिला मंत्री वेदपाल मलिक ने कहा कि संवेदनहीन सरकार के कारण आज प्रदेश के हजारों शिक्षक सड़कों पर हैं और ये इस बात का संकेत है कि अब सरकार शिक्षकों के इस गुस्से को ज्यादा लंबे समय तक दबा नहीं सकती। वक्ताओं ने सरकार पर कर्मचारियों और आमजन की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

इसके बाद जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सीगड और जिला मंत्री वेदपाल मलिक के नेतृत्व में शिक्षक भवन से कलेक्ट्रेट तक विशाल रैली निकाली गई। रैली में गगनभेदी नारों के बीच शिक्षकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। रैली के बाद कलेक्ट्रेट में शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री के नाम अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। रैली में शामिल शिक्षकों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए शिक्षक अब किसी भी स्तर पर संघर्ष करने को तैयार हैं। इस दौरान भारी पुलिस जाब्ता तैनात किया गया। इस अवसर पर बडी संख्या में शिक्षक संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

कार्यालय नगरपरिषद चूरू (राजस्थान)

क्रमांक : न.प./चूरू / भू.उ.प. शाखा/2026-27/ दिनांक :

सार्वजनिक विज्ञप्ति (आपत्ति आमन्त्रण-पत्र)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि संबंधित आवेदकगण द्वारा निम्नांकित विवरण-पत्र में अपने नाम के सम्मुख अंकित कार्य की स्वीकृति हेतु इस कार्यालय को अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है, अतः इस संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था / हितधारक को कोई आपति हो तो उक्त सार्वजनिक विज्ञप्ति के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर उपर्युक्त साक्ष्य सहित अपनी लिखित आपत्ति निम्न अधोहस्ताक्षर कर्ता के समक्ष प्रस्तत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पर प्राप्त आपतियों पर कोई विचार नही किया जावेगा तथा नियमानुसार प्रकरण का निस्तारण संबंधित आवेदकगण के पक्ष में कर दिया जावेगा :-

क्र. सं.	नाम आवेदक/आवेदिका	आवेदित भूमि की अवस्थिति	भूखण्ड का क्षेत्रफल	उतर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम	मास्टर/जोनल प्लान में भू-उपयोग	अपेक्षित स्वीकृति
01	श्रीमती ताज बानो पत्नी स्व. अलादीन खां, श्री मजीद अली, श्री जीवण खां, श्री रमजान अली पुत्रगण स्व. अलादीन खां, वार्ड नं. 29, चूरू	आलोक सिनेमा के सामने, वार्ड नं. 29, चूरू	वर्गमीटर 304.83	नोहरा श्री अलादीन खान	टिबडेवाला धर्मशाला	श्री यशपाल रणवा, अल्लादीन खान, परवीन बानों व मुख्य सड़क 44 फीट चोड़ी	जमीन जैन श्वेताम्बर विद्यालय	वाणिज्यिक	आवासीय से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन

(अभिलाषा सिंह) आयुक्त नगरपरिषद चूरू

दो पक्षों में मारपीट, दो महिला घायल

खेतड़ी (निसं)। खेतडीनगर थाना क्षेत्र की खरखड़ा पंचायत स्थित कीर की ढाणी में देर शाम दो पक्षों के बीच हुए विवाद हो गया। इस दौरान आपस में हुई मारपीट में दो महिलाएं घायल हो गईं। घायलों में एक महिला की हालत गंभीर होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद झुंझुनूं रेफर किया गया है। खरखड़ा पंचायत की कीर की ढाणी निवासी सुरेंद्र ने बताया कि गांव में कुछ लोग शराब के नशे में उत्पात मचा रहे थे। स्थानीय लोगों द्वारा उन्हें ऐसा करने से मना किया गया तो विवाद बढ़ गया। आरोप है कि इसके बाद भोलाराम , सांवतराम सहित छह-सात लोग एकजुट होकर एक परिवार के घर में घुस गए और वहां मौजूद महिलाओं एवं परिजनों के साथ मारपीट की। मारपीट में दो महिलाएं प्रियंका पत्नी सुरेंद्र व पाना देवी पत्नी श्योपाल घायल हो गईं, जिनमें से उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही खेतड़ीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से लोहे के दो हथियार भी बरामद किए हैं, जिन्हें कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। घायलों को तत्काल उपचार के लिए खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने एक महिला पाना देवी की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए झुंझुनूं रेफर कर दिया। दूसरी घायल महिला का उपचार स्थानीय स्तर पर जारी है।

कांस्टेबल विकास की सड़क हादसे में मौत

झुंझुनूं (निसं)। शहर की सबसे महत्वपूर्ण सड़कों में शामिल हवाई पट्टी सर्किल रोड पर बीती रात हुई झुंझुनूं पुलिस के कांस्टेबल विकास कुमार की मौत ने नगर परिषद की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पहली नजर में यह एक सड़क हादसा दिखाई देता है। लेकिन घटनास्थल की परिस्थितियां इसे महज दुर्घटना नहीं। बल्कि सिस्टम की लापरवाही से हुई मौत साबित करती हैं। गोवला निवासी कांस्टेबल विकास कुमार (35) पुत्र अमरसिंह राजकीय कार्य से बाइक पर जा रहे थे। एफसीआई गोदाम के पास पहुंचते ही उनकी बाइक सड़क पर घूम रहे एक बेसहारा सांड से टकरा गई

हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना का सामने आया सीसीटीवी फुटेज कई सवाल खडे करता है। फुटेज में सड़क पर घना अंधेरा दिखाई दे रहा है। जिस मुख्य मार्ग पर हर समय वाहनों की आवाजाही रहती है। वहां पर्याप्त रोशनी नहीं थी। इसी अंधेरे में सड़क पर मौजूद सांड विकास को दिखाई नहीं दिया और कुछ ही सेकंड में उनकी जिंदगी खत्म हो गई। संयोग से उसी समय वहां से गुजर रहे प्रतापगढ में कार्यरत मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कमलेश तेतरवाल ने अन्य वाहन चालकों की मदद से विकास को तुरंत राजकीय बीडीके जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने काफी देर तक सीपीआर देकर उन्हें बचाने का प्रयास किया। लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। गुरूवार को पोस्टमार्टम के बाद विकास का शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने अपने साथी को पूरे सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी। सजी हुई पुलिस गाडी में पार्थिव देह को गांव ले जाया गया। इस दौरान माहौल बेहद गमगीन रहा। विकास वर्ष 2013 में पुलिस विभाग में भर्ती हुए थे और पिछले कुछ वर्षों से एसपी कार्यालय में सेवाएं दे रहे थे। उनकी पत्नी अनिता भी पुलिस विभाग में कांस्टेबल हैं। परिवार पुलिस सेवा से जुड़ा हुआ है। उनकी बहन भी कांस्टेबल है। पीछे माता-पिता, पत्नी और दो छोटे बेटे रह गए हैं। इस घटना ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली को कठघरे में खड़ा कर दिया है। शहर की मुख्य सडक पर स्ट्रीट लाइट व्यवस्था दुरूस्त रखना नगर परिषद की जिम्मेदारी है। वहीं बेसहारा पशुओं को सड़कों से हटाना भी स्थानीय निकाय का दायित्व है। लेकिन जब सबसे प्रमुख मार्ग पर ही अंधेरा पसरा हो और बेसहारा सांड खुलेआम घूम रहे हों, तो ऐसी घटनाएं होना तय माना जाता है। अगर सड़क पर पर्याप्त रोशनी होती तो शायद सांड समय रहते दिखाई दे जाता। अगर बेसहारा पशुओं को सड़कों से हटाने की व्यवस्था प्रभावी होती तो शायद विकास आज अपने परिवार के बीच होते।

विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया

नोहर, (निसं)। शहर के सेक्टर पांच के निवासियों ने क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में लोगों ने सफाई, पेयजल, बिजली, सड़क, जलभराव और सुरक्षा व्यवस्था में सुधार करवाने की मांग उठाई। क्षेत्रवासियों ने बताया कि शहर के अन्य पार्कों में सौंदर्यकरण कार्य चल रहे हैं, लेकिन भगवान परशुराम पार्क और गांधी पार्क उपेक्षा का शिकार बने हुए हैं। परशुराम पार्क के मुख्य द्वार में दरारें आ चुकी हैं, चारदीवारी जर्जर है और लाइटें भी बंद पडी है। वहीं गांधी पार्क में भी चारदीवारी के अलावा कोई विशेष विकास कार्य नहीं हुआ है। लोगों ने बताया कि योग केंद्र, गांधी पार्क एवं पंचायत समिति के सामने आए दिन पानी जमा रहता है, जिससे आमजन को परेशानी उठानी पड़ती है।

सड़कों के पुनर्निर्माण के बाद नालियों का लेवल सही नहीं होने से वाहन नालियों में गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने सड़क-नाली लेवल सुधारने, लोहे की जालियां लगाने और रिहायशी क्षेत्र में स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग की। ज्ञापन में सफाई व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए बताया गया कि सफाईकर्मी नियमित नहीं आते, जिसके कारण कई बार पन्द्रह दिन तक सफाई नहीं हो पाती। लोगों ने नियमित सफाई करवाने और नालियों से निकले कचरे को तुरंत उठाने की मांग की। पेयजल समस्या को लेकर भी निवासियों ने बताया कि सेक्टर में पानी की सप्लाई अनियमित है और कम दबाव से आती है।

पाइपलाइन में वाल्व नहीं होने तथा कुछ स्थानों पर लाइन क्षितग्रस्त होने से समस्या बनी हुई है। वहीं बिजली के ढीले तारों से हादसे की आशंका जताते हुए लोगों ने उन्हें दुरुस्त करवाने की मांग की। क्षेत्रवासियों ने हाल में बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग रखी। लोगों ने उपखंड अधिकारी से संबंधित विभागों को निर्देश देकर समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की, ताकि सेक्टर-5 के निवासियों को राहत मिल सके।